लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1809
10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल केंद्र

1809. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल संरक्षण, जल संरक्षण और शेड नेट, मल्च फैब्रिक, क्रॉप कवर, कीट रोधी नेट जैसे कृषि क्षेत्र में प्रयुक्त उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कोई विशिष्ट योजना/कार्यक्रम शुरू किया गया है;

(ख) यदि हाँ, तो अब तक स्थापित किए गए 'स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल केंद्रों' की संख्या कितनी है और उत्तर प्रदेश के बागपत जिले सहित तत्संबंधी उद्देश्य, लागत और वर्तमान स्थिति का जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन केंद्रों और कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक प्रशिक्षित या प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या कितनी है और उत्तर प्रदेश के बागपत जिले सहित इसका जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): अनुसंधान और नवाचार पर फोकस करने के लिए वस्त्र मंत्रालय ने वर्ष 2020 में 1,480 करोड़ रुपये के फंड आउटले के साथ राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) शुरू किया। यह मिशन न सिर्फ स्पेशलिटी फाइबर के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर फोकस करता है, बल्कि एग्रो टेक्सटाइल सहित तकनीकी वस्त्र के अलग-अलग क्षेत्रों पर भी फोकस करता है। इस मिशन के तहत, एग्रो टेक्सटाइल और उसके अनुप्रयोग के क्षेत्र में कुल 15 अनुसंधान परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं। इसके अलावा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) और कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के तहत इंडियन काउंसिल ऑफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर कॉटन रिसर्च (आईसीएआर-सीआईसीआर) जैसी सरकारी संस्थाएँ देश भर में कृषि उत्पादकता, फसल सुरक्षा और जल संरक्षण के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित कर रही हैं।

(ख) और (ग): एनटीटीएम के तहत, नवसारी, गुजरात में दिसंबर, 2024 में 3.75 करोड़ रुपये की लागत से एक क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल डेमोंस्ट्रेशन सेंटर को मंजूरी दी गई है और इनोवेटिव और सस्टेनेबल एग्रो-टेक्सटाइल अनुप्रयोगों के लिए लाइव डेमोंस्ट्रेशन, किसानों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने, लागत कम करने, क्लाइमेट रेजिलिएंस को बेहतर बनाने और सस्टेनेबल तरीकों को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है। डेमो सेंटर को सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन (ससमीरा) द्वारा संचालित किया जा रहा है। गुजरात के नवसारी में क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल डेमोंस्ट्रेशन सेंटर में कुल 745 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है।

***